भाग—घ

7. निम्नलिखित **दोनों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :—

(1) यजुर्वेद का सामान्य परिचय लिखें। 10

(2) अथर्वेद का परिचय दीजिए। 10

8. निम्नलिखित व्यवहारिक शब्दों को संस्कृत में लिखिए :— 20

(1) कोयल

(2) कौआ

(3) बंदर

(4) हार

(5) साग

(6) नाक

(7) कंबल

(8) रोटी

(9) Television

(10) Computer.

Exam. Code : 103205
Subject Code : 1207

B.A./B.Sc. 5th Semester

SANSKRIT (Elective)

(Niti Katha, Sahitya Tatha Vyakaran)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

सूचना :— इस प्रश्न-पत्र में क, ख, ग, घ **4** भाग हैं जिनमें कुल **8** प्रश्न हैं। इनमें से **5** प्रश्न करें। प्रत्येक भाग में से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है और **पांचवां** प्रश्न किसी भी भाग में से कर सकते हैं।

प्रश्नों का उत्तर संस्कृत, हिंदी, पंजाबी, या अंग्रेजी में से किसी भी भाषा में आवश्यकतानुसार दिया जा सकता है।

भाग—क

1. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 20

(i) शत्रुणा योजयेच्छत्रुं बलिना बलवत्तरम्।
स्वकार्याय यतो न स्यात् का चित्र पीडात्र तत्क्षये।।

(ii) यो अमित्रं कुरुते मित्रं वीर्याभ्यधिकमात्मनः।
स करोति न संदेहः स्वयं हि विषभक्षणम्।।

(iii) आगतश्च गतश्चैव दृष्ट्वा सिंह पराक्रमम्।
अकर्णहृदयो मूर्खो यो गत्वा पुनरागतः।।

(iv) किं क्रन्दसि दुराक्रन्द स्वपक्ष क्षयकारक!
स्वपक्षस्य क्षये जाते को नस्त्राता भविष्यति।।

2. निम्नलिखित **दोनों** कथाओं का सार एवं शिक्षा लिखिए :—

(1) गंगदत्त प्रियदर्शन सर्प कथा। 10

(2) सिंह लम्बकर्ण कथा। 10

भाग—ख

3. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 20

(अ) उपकारिषु यः साधुः साधत्वे तस्य को गुणः।
अपकारिषु यः साधुः साधुः सभ्दिरुच्यते।।

(ब) प्राहुः साप्तपदं मैत्रं जनाः शास्त्रविचक्षणाः
मित्रतां च पुरस्कृत्य किंचिंद्वक्षामि तत्छृणु।।

(क) उत्तमं प्रणिपातेन शूरं भेदेन योजयेत्।
नीचमल्पप्रदानेन समशक्तिं पराक्रमैः।।

(ड) न यत्र शक्यते कर्तुं साम दाममथापवा।
भेदस्तत्र प्रयोक्तव्यो यतः स वशकारकः।।

4. निम्नलिखित **दोनों** कथाओं का सार एवं शिक्षा लिखिए :—

(1) विदेशगत-सारमेय-कथा। 10

(2) घंटोष्ट्र-कथा। 10

भाग—ग

5. निम्नलिखित में से 10 पदों की संधि या संधि विच्छेद कीजिए :— 20

(1) नरः + इव (2) सः + इच्छति

(3) सः + पठति (4) नमः + ते

(5) धनुः + टंकारः (6) मनः + हरः

(7) रामः + शेते (8) देवः + अस्ति

(9) रामश्चलति (10) बहिष्कारः

(11) नमस्कारः (12) मनोरथः

(13) सोऽपि (14) एषः धावति।

6. (क) निम्नलिखित धातुओं में सन् या णिच् प्रत्यय लगाकर लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन के रूप लिखिए :— 10

(1) पठ् (2) हस्

(3) गम् (4) आप्

(5) चल् (6) भू

(7) पत् (8) कृ

(9) ग्रह् (10) सिच्

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के नाम संस्कृत भाषा में लिखिए :— 10

(1) राशियों के नाम

(2) ऋतुओं के नाम

(3) महीनों के नाम